माननीय मुख्यमंत्री महोदया के बजट भाषण वर्ष 2005–06 की क्रियान्विति –

102	गुलाबी नगर जयपुर देश में अपना एक विशिष्ट स्थान रखता है। इसे विश्वस्तरीय हैरिटेज शहर बनाये जाने का निर्णय लिया गया है। टाउनशिप डवलपमेन्ट प्लान के अन्तर्गत फिल्मसिटी, हाथीगांव, फलाई ओवर तथा पार्किंग स्थल निर्माण किया जायेगा। आमेर किले की एक विशिष्ट पहचान इसकी भव्यता और शिल्प के कारण है। इस वर्ष किले को देखने 10 लाख से भी अधिक पर्यटक आए। इस किले के विकास हेतु एक तीन वर्षीय योजना बनाई गई है, जिसकी लागत 35 करोड़ रूपये है। आगामी वर्ष में इस किले में ध्वनी एवं प्रकाश कार्यक्रम प्रारम्भ किया जायेगा। जलेब चौक के ऐतिहासिक व पर्यटन महत्व को देखते हुए इसे एक हस्तशिल्प विपणन परिसर के रूप में विकसित किया जायेगा। जवाहर कला केन्द्र के परिसर में राजस्थान की विभिन्न लोक कलाओं के परिचय एवं प्रदर्शन के लिए एक क्राफट म्युजियम विकसित किया जायेगा। अल्बर्ट हॉल म्युजियम को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे उसे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का स्वरूप दिया जा सके।	आमेर महल के संरक्षण एवं विकास की परियोजना सलाहकार श्रीमती मीनाक्षी जैन द्वारा बनाई गयी थी जिस पर 35.00 लाख रूपये व्यय राजस्थान पर्यटन विकास नि0लि0 के माध्यम से किया गया था। इस परियोजना की क्रियान्विति आमेर विकास बोर्ड द्वारा की जा रही है। आमेर महल की बाह्य दीवारों का जीर्णाद्धार एवं संरक्षण कार्य लगभग पूर्ण होने वाला है। शीघ्र आमेर किले पर प्रकाश एवं ध्वनी कार्यक्रम प्रारम्भ हो रहा है। शीश महल में संरक्षण कार्य प्रगति पर है। आमेर के परकोट का महत्पपूर्ण जीर्णाद्धार एवं संरक्षण कार्य तीव्र–गति से सम्पन्न किया जा रहा है। राजस्थान राज्य संग्रहालय प्रबन्धन एवं विकास संस्था द्वारा अल्बर्ट हाल पर संरक्षण/विकास के कार्य के लिए निविदा आदि की कार्यवाही पूर्ण की जा रहा है, 1.90 करोड़ के कार्यो के कार्यादेश जारी किए जा चुके है।
104	हमारे प्रदेश में 224 संरक्षित स्मारक है। राजस्थान में वैभावशाली सांस्कृतिक परम्परा विधमान है तथा राज्य के संग्रहालयों में लगभग 3 लाख से अधिक पुरा सामग्री संग्रहीत है। इन्हे समुचित रूप से संरक्षित करने व पर्यटकों को सुविधा प्रदान करने की दृष्टि से कार्य योजना बनाई जायेगी। मेवाड कॉम्पलेक्स परियोजना के अन्तर्गत आगामी वर्ष गोगुन्दा, चांवड तथा दिवेर में ऐतिहासिक स्मारकों से सम्बन्धित विभिन्न विकास कार्यो पर 6 करोड 75 लाख रूपये व्यय किये जायेंगें।	संरक्षित स्मारकों के समुचित रख–रखाव संवर्धन एवं प्रबन्धन हेतु प्राईवेट/पब्लिक पार्टनरशिप विघा की ''अडोप्ट ए मोन्यूमेन्ट'' योजना को अतिशिध्र लागू करने की प्रक्रिया में है। राज्य के संग्रहालयों में संग्रहित पुरा सामग्री में से लगभग 80000 पुरा वस्तुओं सिक्कों के अतिरिक्त का प्रलेखन कार्य हो गया है। मेवाड कॉम्पलेक्स परियोजना का कार्य पर्यटन विभाग द्वारा किया जा रहा है।

माननीय मुख्यमंत्री के बजट भाषण की क्रियान्विति (वर्ष 2006–07) –

बिन्दु संख्या	घोषणा	क्रियान्विति
103	राज्य के पुरातात्विक भवनों एवं पुरावस्तुओं के महत्व को देखते हुए Heritage Protection and Promotion Board का गठन किया जायेगा, जिसके लिए आगामी वर्ष में एक करोड़ रूपये की राशि का प्रावधान किया जा रहा है।	धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण, जयपुर का रजिस्ट्रार, जयपुर के पंजियन क्रमांक : 435/2006–07 दिनांक 25.09.06 द्वारा पंजीयन किया जा चुका है तथा कला संस्कृति विभाग की स्वीकृति क्रमांक : प. 5(31)क0सं0/06 दिनांक 25.11.06 के अनुसरण में 20.00 लाख रूपये प्राधिकरण के निजी निक्षेप खाते में हस्तानान्तरण किए जा चुके है।
103	बृज क्षेत्र के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के विकास हेतु एक करोड रूपये की राशि प्रदान की जावेगी।	स्वीकृति के अनुसार कार्य राजस्थान पर्यटन विकास निगम द्वारा सम्पादित किया जाना है।
104	राजस्थान को विरासत में कई परकोटे एवं नगरद्वार मिले है, जो संरक्षण के अभाव में ध्वस्त हो रहे है, आगामी वर्ष नगरद्वारों के संरक्षण की महत्वकांक्षी योजना आरम्भ की जायेगी एवं इस प्रयोजनार्थ 2 करोड़ रूपये की राशि का प्रावधान किया गया है।	बारहवें वित्त आयोग द्वारा विरासत संरक्षण के लिए स्वीकृत अनुदान में राशि रूपये 5000.00 लाख मे से वर्ष 2006–07 में 1250.00 लाख रूपये व्यय किये जाने का लक्ष्य है, जिसमें परकोटों एवं नगरद्वारों हेतु 2.00 करोड़ रूपये का संरक्षण कार्य भी सम्मिलित है। कार्य को सम्पन्न कराये जाने के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की चुकी है। कार्य सम्पन्न कराये जाने हेतु वास्तुविदों से कार्य की अन्तरिम परियोजना रिपोर्ट प्राप्त कर ली गई है एवं फाईनल रिपोर्ट प्राप्त की जा रही है। बीकानेर, एवं भरतपुर स्थित सिटीगेट्स के संरक्षण/जीर्णोद्धार का कार्य प्रगति पर है।

माननीया मुख्यमंत्री महोदया के बजट भाषण वर्ष 2007—08 की क्रियान्विति :—

बिन्दु संख्या	विवरण	अनुपालना
87	उदयपुर एवं अन्य क्षेत्रों की जनजाति जनसख्या में बैणेश्वर धाम का विशिष्ठ स्थान है। इस धाम में मेरी स्वयं की भी विशेष आस्था है। अतः वित्तमंत्री होने का Privilege इस्तेमाल करते हुए, इस धाम और उससे संबंधित सुविधाओं के जीर्णोद्धार एवं सुधार के लिए मै कला एवं संस्कृति विभाग के माध्यम से 2 करोड़ रूपये उपलब्ध करवाने की घोषणा करती हूं।	उदयपुर स्थित वैणेश्वर धाम का विकास कार्य पर्यटन विभाग द्वारा सम्पन्न किया जाना है।
171	माननीय सदस्यों को विदित है कि हमारी सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक संपदा unique है, जो दुर्भाग्यवश उचित संरक्षण के अभाव मे क्षतिग्रस्त हो रही है। पिछले 3 वर्षो में पुरा संपदाओं के जीर्णोद्धार, संरक्षण एवं सुरक्षा की ओर मेरी सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। Heritage Protection and Promotion Authority एवं Amer Development & Management Authority ने काम करना शुरू कर दिया है। जलेब चौक को Global Art Square मार्केट के रूप में विकसित करने के लिए वहां संचालित अधिकतर राजकीय व अन्य कार्यालयों को अन्यत्र स्थानान्तरित कर दिया गया है। वर्ष 2007—08 में यह मार्केट शुरू कर दिया जायेगा। इसी कड़ी में राज्य सरकार एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ने जा रही है। हवामहल अथवा जलेब चौक में एक Institute of Heritage Conservation खोला जायेगा। यह संस्थान craftsman and young professionals को पुरा संपदाओं के संरक्षण एवं संवर्द्धन कार्यो में प्रशिक्षण देगा, सलाहकार सेवाऐं प्रदान करेगा और अनुसंधान का कार्य भी करेगा।	जलेब चौक में Global Art Square मार्केट के विकास का कार्य आमेर विकास प्राधिकरण द्वारा सम्पन्न किया जा रहा है। (Institute of Heritage Conservation) इन्स्टीट्युट ऑफ हेरिटेज कन्जरवेशन, जयपुर का पंजीयन कमांकः 372 / 2007 —08 दिनांक 29.08.07 पर रजिस्ट्रार, जयपुर कार्यालय में पंजीयन किया जा चुका है।इस संस्था की प्रशासनिक व्यवस्था प्रकियाधीन है।